RLBCAU और IGFRI की यात्रा तथा उपकार की साझेदारी पहलों का विस्तृत सारांश

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी

भाकृअनुप-भारतीय घासभूमि और चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी

दौरे की तारीख: 12–13 जनवरी, 2026

संदर्भ एवं प्रतिनिधिमंडल: उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ के एक प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान के साथ सहकारी अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को सुदृढ़ करने पर केंद्रित एक समर्पित परामर्श सत्र के लिए 12–13 जनवरी, 2026 को रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी और भाकृअनुप–भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झाँसी का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य:

- डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक
- डॉ. राजर्षि गौर, उप महानिदेशक
- डॉ. रिन्नी सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी

प्रथम दिवस: 12 जनवरी, 2026

राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन:

भ्रमण का शुभारंभ रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय से हुआ, जहाँ प्रतिनिधिमंडल ने स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति: इस अवसर पर दतिया के 14वें महाराजा, महाराजा गोविंद देव की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही कुलपति प्रो. ए. के. सिंह, श्री मनीष राय और डॉ. अनिल कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य चर्चा: डॉ. संजय सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए आधुनिक कृषि पद्धतियों में स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के समावेश पर बल दिया। चर्चा का मुख्य केंद्र राष्ट्र निर्माण की पहल और कृषि क्षेत्र में तकनीकी बदलाव का नेतृत्व करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रणनीतिक योजना आगामी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस 2026 (UPASC 2026) की रूपरेखा तैयार करने के लिए उपकार प्रतिनिधिमंडल और आर.एल.बी.सी.ए.यू. नेतृत्व के बीच एक परामर्शदात्री संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

- **विषय:** *"Transforming Agriculture for Viksit Krishi-Viksit Bharat @ 2047"*
- **संयुक्त आयोजन:** यह कांग्रेस उपकार और RLBCAU का एक संयुक्त प्रयास होगा।
- **परिचालन संबंधी तैयारी:** निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई- निमंत्रण एवं वक्ता:

  ✓ कांग्रेस में 'लीड' और 'प्लेनरी' व्याख्यान देने के लिए कृषि क्षेत्र के दिग्गजों की सूची को अंतिम रूप देना।

  ✓ आतिथ्य: आगंतुक प्रतिनिधियों के लिए आरामदायक आवास और परिवहन व्यवस्था की योजना।

- ✓ सम्मान: प्रतिभागियों और पुरस्कार विजेताओं के लिए स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र का डिजाइन एवं खरीद।

उपकार –प्रायोजित परियोजनाओं का अनुश्रवण/क्षेत्र भ्रमण

समारोह के पश्चात, प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय में संचालित उपकार –वित्तपोषित अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए विभिन्न स्थलों का विस्तृत क्षेत्र भ्रमण किया।

उद्देश्य: वर्तमान पहलों की प्रगति का मूल्यांकन करना और यह सुनिश्चित करना कि अनुसंधान के परिणामों को स्थानीय किसानों के लिए जमीनी स्तर के लाभों में प्रभावी रूप से परिवर्तित किया जा रहा है।

अवलोकन: महानिदेशक ने परियोजना प्रमुखों को ऑन–साइट फीडबैक दिया, जिसमें बुंदेलखंड क्षेत्र में वर्तमान कृषि हस्तक्षेपों की स्थिरता और विस्तार क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दूसरा दिन, 13 जनवरी 2026

IGFRI में महिला–केंद्रित उद्यमिता कार्यक्रम का उद्घाटन

प्रतिनिधिमंडल ने कृषि में महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित दो–दिवसीय विशिष्ट उद्यमिता कार्यशाला के शुभारंभ हेतु भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।

मुख्य अतिथि का संबोधन: डॉ. संजय सिंह ने महिला–नेतृत्व वाले कृषि उद्यमों के लिए एक दूरदर्शी रूपरेखा के साथ प्रतिभागियों को प्रेरित किया और बताया कि कैसे स्थानीय नवाचार वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकते हैं।

सहयोगात्मक संवाद: बैठक में डॉ. पंकज कौशल (निदेशक, IGFRI), डॉ. आर. के. गौर (उप महानिदेशक, उपकार) और डॉ. रिन्नी सिंह (वैज्ञानिक अधिकारी) भी उपस्थित रहे।

फोकस क्षेत्र – स्पाइनलेस कैक्टस (बिना काँटे वाला कैक्टस): चर्चा का एक बड़ा हिस्सा स्पाइनलेस कैक्टस के मूल्य संवर्धन को समर्पित था। प्रतिनिधिमंडल ने इसके बहुआयामी अनुप्रयोगों की खोज की, जिनमें शामिल हैं:

- टेक्सटाइल (वस्त्र): टिकाऊ, पर्यावरण के अनुकूल और निम्न कार्बन फुटप्रिंट वाले फाइबर का उत्पादन।
- मेड–टेक (चिकित्सा तकनीक): गैर–बुने हुए घाव की ड्रेसिंग (Wound Dressing) का निर्माण और जैव–अवशोषक टांके (Bio-absorbable suture) का विकास।
- चारा: शुष्क क्षेत्रों में पशुधन के पोषण में सुधार।
- जैव ईंधन (Biofuel): उच्च बायोमास पैदावार और कम पानी में उगने की क्षमता के कारण जैव–एथेनॉल और बायोगैस उत्पादन के लिए एक अत्यंत कुशल स्रोत।

निष्कर्ष: कैक्टस–आधारित उत्पादों के लिए अनुसंधान और व्यवसायीकरण के ढांचे को औपचारिक रूप देने हेतु उपकार और IGFRI के बीच संयुक्त सहयोगात्मक प्रयास शुरू करने पर सहमति बनी।

भ्रमण की झलकियाँ:

राष्ट्रीय युवा महोत्सव
"खुद को प्रज्वलित करें, विश्व को प्रभावित करें"
"Ignite the Self, Impact the World"
12 - 23 जनवरी, 2026
प्रमुख कार्यक्रम

राष्ट्रीय युवा महोत्सव
"खुद को प्रज्वलित करें, विश्व को प्रभावित करें"
"Ignite the Self, Impact the World"
12 - 23 जनवरी, 2026
प्रमुख कार्यक्रम
Dr. Anil Kumar

LAKSHMI BAI

प्रशासनिक भवन
ADMINISTRATIVE BUILDING
I ♥ RLBCAU

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
चारा अनुसंधान संस्थान
झाँसी

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
झाँसी